अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 20-12-2023

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

नोट : आप देवों की संख्या श्रृंखला आदि लिखते हैं, उनका स्पष्टीकरण कम से कम एक बार करें अन्यथा प्रत्येक प्रश्न के अंक काटे जाएंगे।

प्र. 1 आगति व गति (कितनी व कहां-कहां से) किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) पद्म लेश्या वाले पद्म लेश्या में जाएं तो?

(ख) देवकुरू उत्तरकुरू के यौगलिक में।

(ग) मिथ्यादृष्टि में।

(घ) विभंग ज्ञान में।

(ङ) पांचवी नरक में।

(च) अवधि दर्शन में।

(छ) दूसरे तीसरे किल्विषिक तथा तीसरे से आठवें देवलोक में।

(ज) संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में।

(झ) मतिज्ञान एवं श्रुतज्ञान में।

(ञ) औदरिक शरीर में।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) उर्ध्वलोक, अधोलोक व मध्यलोक में जीव के भेद।

(ख) जम्बूद्वीप, लवण समुद्र व घातकीखंड में।

(ग) नील लेश्या वाले नील लेश्या में जाएं तो।

(घ) भवनपति परमाधार्मिक आदि 51 जाति के देवों में।

(ङ) हेमवत, हैरण्यवत के यौगलिक एवं छप्पन अन्तर्द्वीप के यौगलिक में।

कायस्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) सूक्ष्म क्षेत्र पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ख) चक्षुदर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि उत्कृष्ट अंतर के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ग) काय योगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य अंतर किस अपेक्षा से।

(घ) विभंगज्ञानी की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ङ) अवधिज्ञानी की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य कायस्थिति के पीछे की अपेक्षा को वर्णित करें।

(च) काय परीत की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बतायें कि जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित हो सकती है?

(छ) संसारी अभाषक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ज) छद्मस्थ आहारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(झ) पुरूषवेदी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ञ) समुच्चय निगोद की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ट) एकेन्द्रिय की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ठ) त्रस की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) नारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति लिखें।

(ख) पद्मलेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताएं उसके पीछे क्या अपेक्षा है?

(ग) पंचेन्द्रिय की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से?

(घ) सामायिक व छेदोपस्थापनीय चारित्र की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति बताएं।

(ङ) मनःपर्यवज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(च) नोसंयति-नोअसंयति किसे कहते हें? उनकी जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति बतायें।

(छ) छद्मस्थ अनाहारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बतायें।

(ज) संसार परीत को परिभाषित करें।

(झ) सम्यक् दृष्टि की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति बताएं कि जघन्य उत्कृष्ट स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ञ) भाषक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति बतायें कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ट) संख्यात काल से क्या तात्पर्य है? एवं त्रीन्द्रिय व चतुरिन्द्रिय की उत्कृष्ट भवस्थिति क्या है?

(ठ) वर्गणा किसे कहते हैं?

गीतिका (पांचों वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में दें– 4

(क) कौन से कर्मों का क्षयोपशम निष्पन्न भाव बारहवें गुणस्थान तक होता है?

(ख) प्रथम समय के सिद्ध किन कर्मों के अवशिष्ट अंश को क्षीण करते हैं?

(ग) साधुत्व किस कारण से नहीं बदलता, व किस कारण से बदल जाता है?

(घ) किसी को विशेष रूप से सचित्त आदि द्रव्य उधार दिया जाता है, पुनः लेने की भावना से। वह कौन सा दान व किस नम्बर का है?

(ङ) जिनकी ..... और.....जिनधर्म के रंग में रंगी हुई है, जिन्हें..... का सार रूचिकर लगता है।

(च) .....क्या है और.....क्या है? इसका तू.....नहीं कर पा रहा है, ऐसे लगता है तुम्हारी बुद्धि कहीं दब गई है।

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) करण जोग.....सांई रे।

(ख) वायस हंसादिक.....घर जोय।

(ग) छोड़ावे गर्थ.....बार ए।

(घ) मोह तणी.....मझारो रे।

(ङ) दाता ने.....उतारसी ए।

(च) लेणात ने.....नाम ए।